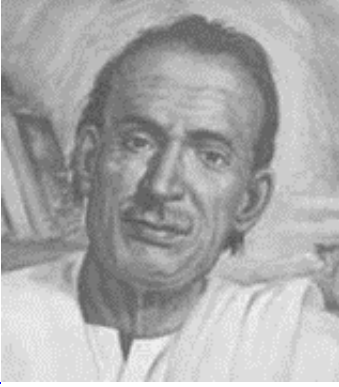


आचार्य कृपलानी

हाल ही में प्रधानमंत्री ने आचार्य कृपलानी को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।



आचार्य कृपलानी:

- **परिचय:**
 - उनका जन्म 11 नवंबर, 1888 को सधि (हैदराबाद) में हुआ था।
 - उनका मूल नाम जीवतराम भगवानदास कृपलानी था, लेकिन उन्हें आचार्य कृपलानी के नाम से जाना जाता था। वह एक स्वतंत्रता सेनानी, भारतीय राजनीतिज्ञ और शिक्षाविद थे।
- **शिक्षाविद:**
 - वर्ष 1912 से 1927 तक उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन में पूरी तरह से शामिल होने से पूर्व विभिन्न स्थानों पर अध्यापन का कार्य किया।
 - वर्ष 1922 के आसपास जब वे महात्मा गांधी द्वारा स्थापित गुजरात विद्यापीठ में अध्यापन कार्य कर रहे थे, तब उन्हें 'आचार्य' उपनाम प्राप्त हुआ।
- **पर्यावरणविद:**
 - कृपलानी जी वनिबा भावे के साथ 1970 के दशक में पर्यावरण के संरक्षण एवं बचाव गतिविधियों में शामिल रहे।
- **स्वतंत्रता सेनानी:**
 - वह असहयोग आंदोलन (1920-22) और सविनय अवज्ञा आंदोलन (1930 में शुरु) तथा भारत छोड़ो आंदोलन (1942) का हिस्सा रहे।
 - स्वतंत्रता के समय वे भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (INC) के अध्यक्ष थे। उन्होंने भारत की अंतरिम सरकार (1946-1947) और भारत की संविधान सभा में योगदान दिया।
- **राजनीतिक जीवन:**
 - आज़ादी के बाद कांग्रेस छोड़कर वह किसान मज़दूर प्रजा पार्टी (KMPP) के संस्थापकों में से एक बन गए।
 - वह 1952, 1957, 1963 और 1967 में प्रजा सोशलसिट पार्टी के सदस्य के रूप में लोकसभा के लिये चुने गए।
 - उन्होंने भारत-चीन युद्ध (1962) के तुरंत बाद वर्ष 1963 में लोकसभा में पहली बार अवशिवास प्रस्ताव पेश किया।
 - वर्ष 1963 में कांग्रेसी नेता सुचेता कृपलानी, उत्तर प्रदेश की मुख्यमंत्री बनीं, जो देश की प्रथम महिला मुख्यमंत्री थीं, जबकि उनके पति आचार्य कृपलानी कांग्रेस के वरिधी बने रहे।
 - वह नेहरू की नीतियों और इंदिरा गांधी के शासन के आलोचक थे। उन्हें आपातकाल (1975) के दौरान गरिफ्तार कर लिया गया।
- **पुस्तकें:**
 - उनकी आत्मकथा 'माई टाइम्स' (My Times) वर्ष 2004 में मरणोपरान्त प्रकाशित हुई।
 - कृपलानी, गांधी: हज़ि लाइफ एंड थॉट (1970) सहित कई पुस्तकों के लेखक थे।

[स्रोत: पी.आई.बी.](#)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/acharya-kripalani>

